



Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ मकर संक्रांति और उत्तरायण ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ मकर संक्रांति और उत्तरायण ॥

मकर संक्रांति और उत्तरायण भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखने वाले विषय हैं। मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश को संक्रांति कहा जाता है, जबकि उत्तरायण सूर्य की उत्तर दिशा की ओर दिखाई देने वाली गति से जुड़ी खगोलीय अवधारणा है। भारतीय परंपरा में इस समय को शुभ और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना जाता है।

उत्तरायण का अर्थ

‘उत्तरायण’ दो शब्दों से मिलकर बना है—उत्तर + अयन। इसका अर्थ है सूर्य का उत्तर की ओर गमन। इस अवधि को प्रकाश, ज्ञान और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में उत्तरायण को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल समय माना गया है।

मकर संक्रांति और उत्तरायण का संबंध

मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व है। परंपरागत रूप से इसे उत्तरायण की शुरुआत से जोड़ा जाता है। हालांकि खगोलीय दृष्टि से सूर्य की उत्तर दिशा की ओर गति और सूर्य का मकर राशि में प्रवेश एक ही घटना नहीं हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर सूर्य देव की पूजा, स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठान करने की परंपरा है।

धार्मिक महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यताओं में उत्तरायण को देवताओं का दिन कहा गया है। इस अवधि को आध्यात्मिक साधना, पूजा-पाठ, दान और शुभ कार्यों के लिए विशेष माना जाता है।

महाभारत में भीष्म पितामह की कथा भी उत्तरायण से जुड़ी है। मान्यता के अनुसार भीष्म पितामह ने इच्छा-मृत्यु के वरदान के कारण उत्तरायण आने तक अपने प्राण त्यागने की प्रतीक्षा की थी।

उत्तरायण में क्या करें?

प्रातःकाल स्नान करके सूर्य देव को अर्घ्य दें।
सूर्य मंत्र का जाप करें।
तिल और गुड़ का दान करें।
जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र और कंबल दें।
धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में समय लगाएं।
सकारात्मक विचारों और सेवा भावना को अपनाएं।

आध्यात्मिक संदेश

मकर संक्रांति और उत्तरायण हमें अंधकार से प्रकाश, नकारात्मकता से सकारात्मकता और निष्क्रियता से कर्म की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सूर्य देव की तरह निरंतर आगे बढ़ते रहने और अपने जीवन में ज्ञान, सेवा एवं सद्भावना का प्रकाश फैलाने का संदेश इस पर्व से मिलता है।

Hargharpanditji

PURJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR